नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 30

No. of Printed Pages — 7

S—01—Hindi

माध्यमिक परीक्षा, 2011

हिन्दी

(HINDI)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंकवाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

(5) प्रश्न क्रमांक 2 व 3 अति लघु उत्तरात्मक हैं ।

(6) प्रश्न क्रमांक 1 के चार भाग (i, ii, iii तथा iv) हैं । प्रत्येक भाग के उत्तर के चार विकल्प (**क, ख, ग** एवं **घ**) हैं । सही विकल्प का उत्तराक्षर उत्तर-पुस्तिका में निम्नानुसार तालिका बनाकर लिखें :

प्रश्न क्रमांक	सही उत्तर का क्रमाक्षर
1. (i)	
1. (ii)	
1. (iii)	
1. (iv)	

1. (i) ''पशु बलि हिंसा है, अत: यह घृणित, गर्हित, त्याज्य कर्म है ।'' यह कथन है

(क) वल्लभ सेन का

(ख) अग्रसेन का

(ग) भीमसेन का

(घ) रत्नसेन का । $\frac{1}{2}$

(ii) सीधे-सादे किसानों का धन काम आता है

(क) भोग-विलास के लिए

(ख) अहंकार के लिए

(ग) धर्म और कीर्ति के लिए

(घ) ज्ञान के लिए । $\frac{1}{2}$

(iii) ''अब तक मानो मैं भ्रम में था, तुमने आज मिटा दी भ्रान्ति ।''

इस पंक्ति में भ्रम में थे

(क) गुरु नानक

(ख) गुरु गोविन्द सिंह

(ग) बन्दा वैरागी

(घ) देशभक्त । $\frac{1}{2}$

(iv) ''धरती घूमती निजर आई, हीयो कांप्यो सिर चकरायो ।''

निहित पंक्ति में ऐसा अनुभव हुआ

(क) देवलदे का

(ख) हम्मीर देव का

(ग) रंगादे का

(घ) खिलजी का । $\frac{1}{2}$

2. 'उमेश' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए । 1

3. जयशंकर प्रसाद की दो काव्य-कृतियों का नामोल्लेख कीजिए । 1

4. 'जरूरत है ऐसे नौजवानों की ।' लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी कैसे नौजवानों की जरूरत महसूस कर रहे हैं ?

(उत्तर सीमा लगभग 30 शब्द) 2

5. निम्नलिखित सामासिक पदों का विग्रह कर उनमें निहित समास का नाम लिखिए : 2

(i) वचनामृत (ii) फल-फूल ।

6. विशेषण शब्द के पद परिचय हेतु कोई **चार** बिन्दु लिखिए । 2

7. वह तो बचपन में ही शहर गया ।

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित पदों के पद-परिचय से सम्बन्धित दो-दो बिन्दु लिखिए । 2

8. (i) ''मोहन पढ़ता है और सोहन खेलता है ।''

उपर्युक्त वाक्य रचना की दृष्टि से किस प्रकार का है ? उसकी परिभाषा लिखिए । 2

(ii) संत के सदोपदेश ग्राह्य हैं ।

उपर्युक्त वाक्य को शुद्ध कर पुनः लिखिए । 2

9. (i) 'सुत' और 'सूत' शब्दों का अर्थ-भेद स्पष्ट कीजिए । 1

(ii) 'वह जो व्यर्थ खर्च करता है' का अर्थद्योतक एक शब्द लिखिए । 1

10. (i) 'नेकी और पूछ-पूछ' लोकोक्ति का आशय लिखिए । 1

(ii) 'आरम्भ करना' का अर्थद्योतक मुहावरा लिखिए । 1

11. 'व्यञ्जना शब्द शक्ति' को सोदाहरण परिभाषित कीजिए । 2

12. 'जय हे मातृभूमि कल्याणी' कविता का आशय लगभग 35 शब्दों में लिखिए । 2

13. ''तेरे चरण शरण में आहत
जग आश्वासन श्वास गहे ।''

पंक्तियों का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए । 2

14. रामधारी सिंह दिनकर का संक्षिप्त जीवन परिचय लगभग 35 शब्दों में दीजिए । 2

15. विधाता ने मानव पुतले की मौलिक सृष्टि कर किन गुण-दोषों से विभूषित किया ?

(उत्तर सीमा लगभग 25 शब्द) 1

16. 'आत्म शिक्षण' कहानी में जैनेन्द्र जी ने ''किशोर मनोविज्ञान का बड़ा ही स्वाभाविक चित्रण किया है'' । कहानी के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 25 शब्द) 1

17. ''संसार का ऐसा कटु अनुभव मुझे अब तक नहीं हुआ था ।''

'प्रेरणा' कहानी में मास्टर साहब के कटु अनुभव को स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 25 शब्द) 1

18. 'मर्यादा' एकांकी का उद्देश्य ''पारिवारिक स्नेह और सहयोग की भावना को सतत् जागरूक रखना है'' । उक्त एकांकी के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द) 4

19. ''मुझे खुशी और रंज दोनों एक साथ हुए ।'' शिवाजी की खुशी और रंज का कारण बताइए ।

(उत्तर सीमा लगभग 35 शब्द) 2

20. पं० प्रताप नारायण मिश्र ने 'दाँत' नामक निबन्ध में किन लोगों की जिन्दगी को निर्लज्ज व व्यर्थ बताया है ? (उत्तर सीमा लगभग 35 शब्द) 2

21. ''सीता ने अपने पुत्रों को मनोवैज्ञानिक रीति से उचित अनुचित का ज्ञान कराया ।'' सीता की अपने पुत्रों को ज्ञान कराने की कौन-सी मनोवैज्ञानिक रीति थी ? समझाइए ।

(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) 3

22. 'देवलदे रो आत्मोत्सर्ग' काव्यांश ''प्राचीनता के माध्यम से नारी विषयक आधुनिक मान्यताओं की प्रस्तुती है'' । आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ?

(उत्तर सीमा लगभग 80 शब्द) 3

23. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण लगभग एक-तिहाई शब्दों में कीजिए : 3

हमें स्वराज्य तो मिल गया, परन्तु सुराज्य हमारे लिए सुखद स्वप्न ही है । इसका प्रधान कारण यह है कि देश को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कठोर परिश्रम करना हमने अब तक नहीं सीखा । श्रम का महत्त्व और मूल्य हम जानते ही नहीं । हम अब भी आराम तलब हैं । हम हाथों से यथेष्ट काम करने को हीन लक्षण समझते हैं । हम कम से कम काम द्वारा जीविका उपार्जित करना चाहते हैं । यह दूषित मनोवृत्ति राष्ट्र की आत्मा में जा बैठी है । इससे मुक्त न होने पर स्वराज्य सुराज्य में नहीं बदल सकता है ।

24. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नाम लिखते हुए उनके लक्षण लिखिए :

(i) मनो नीलमणि सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात । 2

(ii) कानन कुण्डल कुंचित केशा । 2

25. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

न्यायोचित अधिकार मांगने
से न मिले, तो लड़के,
तेजस्वी छीनते समर को
जीत या कि खुद मरके ।
किसने कहा पाप है समुचित
स्वत्व-प्राप्ति हित लड़ना ?
उठा न्याय का खड्ग समर में
अभय मारना मरना ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए । 1

(iii) पाप क्या नहीं है ? 1

(iv) उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए । 1

26. आप अपने आपको राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोमगढ़ का छात्र गणेश मानते हुए अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए जिसमें पुस्तकालय एवं वाचनालय की अव्यवस्था को व्यवस्थित करने का निवेदन हो ।

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द) 4

27. ''इस वीर प्रसूता भूमि ने ऐसे श्रेष्ठ पुरुषों को जन्म दिया है, जो शस्त्र और शास्त्र दोनों में निष्णात थे ।'' 'राजस्थान के गौरव' पाठ के आधार पर इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

(उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द) 3

28. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 5

जब बाड़ ही खेत को खाये तो खेत की रक्षा कौन करे । भारतीय इतिहास का यह भी एक पीड़ादायी पहलू है । संगठित और सुसम्बद्ध समाज ही संकटकाल में हर मोर्चे पर संकटों का सामना कर सकता है । अत्यधिक समृद्धशाली, विकट वीर, रणकुशल, हर क्षेत्र में अग्रणी होते हुए भी समाज के ही कुछ अंग सत्ता प्राप्ति, धन सम्पदा या मान सम्मान के लोभ में ऐसी कमजोरी दिखा देते हैं कि उसका परिणाम सम्पूर्ण समाज एवं राष्ट्र को भुगतना पड़ता है ।

अथवा

मैंने अनेक कुत्ते देखे पाले हैं, किन्तु कुत्ते के दैन्य से रहित और उसके लिए अलभ्य दर्प से युक्त मैंने केवल नीलू को ही देखा है । उसके प्रिय से प्रिय खाद्य को भी यदि उसे अवज्ञा के साथ फेंककर दिया जाता हो वह उसकी ओर देखता भी नहीं, खाना दूर की बात है । यदि उसे किसी बात पर झिड़क दिया जाता तो बिना बहुत मनाये वह मेरे सामने ही नहीं आता ।

29. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 4

बद्ध-दासता के बंधन में,
पड़े करोड़ों भाई बन्द,
लेने जाते हो एकाकी,
कौन मुक्ति का तुम आनन्द ।
क्या उन बहिन बेटियों को तुम,
इसीलिए आये हो छोड़,
हर ले जाएँ अधर्मी उनको,
हँस हँस कर, कर करके होड़ ॥

अथवा

सहे वार पर वार अन्त तक,
बढ़ी वीर बाला सी ।
आहुति-सी गिर पड़ी चिता पर,
चमक उठी ज्वाला सी ॥
बढ़ जाता है मान वीर का,
रण में बलि होने से ।
मूल्यवती होती सोने की
भस्म यथा सोने से ॥

30. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 8

(i) जल ही जीवन है ।
(ii) शिक्षित नारी—देश समृद्धिकारी ।
(iii) संचार के साधनों में क्रान्ति ।
(iv) पर्यावरण प्रदूषण, कारण और निवारण ।